

To  
The Board of Studies,  
S.D.Mahila Mahavidyalya,  
Narwana.

**Sub: Approval for "Lok Naritya" Certificate course..**


Respected Madam,

We want to start a certified offline course "Lok Naritya"(30 Hours) in our campus. A Certificate is an education goal for many students who want to improve their visibility among aggressive job applications. Certificates may help to provide students with increased skills and experience. Syllabus of "Lok Naritya" is attached with this application. Please kindly approve this certified course. We shall be thankful to you for this.

Enclosed: Syllabus of the Certificate Course.

  
Yours Faithfully

Mr. Jasbir  
Asstt. Prof. of Music

  
Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalya  
Narwana

Ph. No. 01684-240161




**S D MAHILA MAHAVIDYALYA**  
**NARWANA-126116 ( JIND ) HARYANA**

---

Dated:- 20-1-2020

**Notice**

सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि 20.01.2020 से महाविद्यालय में Lok Naritya पर 30 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स करवाया जाएगा और कोर्स के अंत में 30 अंक की परीक्षा ली जाएगी और छात्राओं को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

  
Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalaya  
Narwana

Jasbir,  
Asst. Prof. of Music

Subject: Approval for "लोक नृत्य" by the Board of Studies

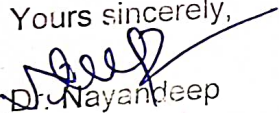
Dear Jasbir,

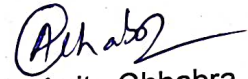
I am pleased to inform you that after careful consideration and review by the Board of Studies, has approved "लोक नृत्य" which spans over 30+ hours of instruction.


This course has been evaluated thoroughly to ensure its alignment with our institution's academic standards and objectives. We believe that it will significantly contribute to the academic enrichment of our students and align with our commitment to providing high-quality education.


Thank you for your interest and support in our academic endeavors.

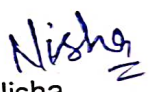
Yours sincerely,

  
Dr. Nayandeep  
Assoc. Prof. in Eco.  
Convener

  
Dr. Anita Chhabra  
Asst. Prof. in Hindi  
Member

  
Dr. Shallu Sachdeva  
Asst. Prof. in Hist.  
Member

  
Suman Garg  
Asst. Prof. in Eng.  
Member

  
Nisha  
Asst. Prof. in Chem.  
Member





# सनातन धर्म महिला महाविद्यालय नरवाना (जींद)



के

संगीत विभाग द्वारा आयोजित

सर्टिफिकेट कोर्स

(लोक नृत्य)

कोर्स का उद्देश्य अक्सर इस भाषा और संगीत की प्रकृति, इतिहास, और संस्कृति को समझाना और प्रसारित करना होता है। यह कोर्स छात्राओं को हरियाणवी संगीत के विभिन्न पहलुओं को समझने और उन्हें विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे वे इस क्षेत्र में कैरियर बना सकें।

**प्रमाणपत्र: कोर्स समापन पर सफलतापूर्वक प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।**

**दिनांक - 20-01-2020**

**कोर्स की अवधि -30 घण्टे**

**श्री जसबीर  
संयोजक**

**डॉ पूनम शर्मा  
प्राचार्या**

## लोक नृत्य/ Folk Dance Haryanvi

समय – 30 घंटे

### UNIT-I

1. लोक नृत्य ।
2. हरियाणा के लोक नृत्यों का वर्णन ।
3. नृत्य की उत्पत्ति एवम् विकास ।

### UNIT-II

1. हरियाणवी लोक गीत ।
2. लोक नृत्य में वेशभूषा की भूमिका ।

### UNIT-III

1. लोक नृत्य में मंच परिसज्जा का महत्व ।
2. खोड़िया नृत्य ।
3. धमाल, लूर, गुगा, बीन, छट्टी नृत्य, घोड़ा नृत्य ।
4. लोक वाद्य का लोक नृत्यों में महत्त्व ।





# कैसे फरर-फरर फहराई रे बिना ब्याह चुनरिया...

● युवा महोत्सव उल्लास के दूसरे दिन रसिया समूह नृत्य का उठाया लुफ्त



साइकिल पर नृत्य करते हुए छात्र कलाकार। (छाया: शर्मा)

नरवाना, बिनटू श्योरण (पंजाब केसरी): शहर के कोर्ट रोड स्थित एसडी महिला कालेज में चल रहे चौथे युवा महोत्सव उल्लास के दूसरे दिन एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां हुईं। इन सभी प्रस्तुतियों में सबसे प्रमुख रसिया की रही, जो कि महोत्सव में मुख्य मंच पर शुरुआत में ही करवाई गई।

रसिया का सभी दर्शकों ने भरपूर आनंद भी उठाया। महोत्सव के दूसरे दिन भी कालेज की प्रबंधन कमेटी

के सचिव जियालाल गोयल और कालेज प्राचार्या पूनम शर्मा द्वारा बुक्के देकर स्वागत किया गया। महोत्सव के दूसरे दिन मुख्यातिथि

के रूप में प्रधान सुरेश सिंघल, सम्मानित अतिथि के रूप में हरियाणा कला परिषद के पूर्व अध्यक्ष अजय सिंघल, विशिष्ट अतिथि अनुरोध

गिरी पहुंचे। इस मौके पर कालेज प्रबंधन समिति के प्रधान सुरेश सिंघल, उपप्रधान राजकुमार गोयल, सचिव जियालाल गोयल, कैशियर जवाहर सिंगला और कालेज प्राचार्या डा. पूनम शर्मा द्वारा पंडाल में पहुंचने से पहले कालेज परिसर में पीर बाबा की मंढी पर माथा टेका और मुख्य मंच पर मां सरस्वती की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्ज्वलित किया।

एसडी महिला कालेज में चल रहे चौथे युवा महोत्सव उल्लास के दूसरे दिन मुख्य मंच पर कैसे फरर-फरर फहराई रे बिना ब्याह चुनरिया गीत पर समूह नृत्य प्रतिभागियों द्वारा दिखाया गया। समूह नृत्य के माध्यम से होली के दौरान खेले जाने वाले देवर भाभी का फाग खेलना आर्कषण का केंद्र बना।



# कैसे फहर-फहर फहराई रे बिना ब्याह चुनरिया..

संवाद न्यूज एजेंसी

नरवाना। एसडी महिला कॉलेज में चल रहे चौथे युवा महोत्सव के दूसरे दिन कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इन सभी दर्शकों ने रसिया प्रस्तुतियों में सबसे समूह नृत्य का प्रमुख रसिया की उठाया लुफ रही, जोकि महोत्सव में मुख्य मंच पर शुरुआत में ही करवाई गई। रसिया का सभी दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया।

एसडी महिला कॉलेज में चल रहे चौथे युवा महोत्सव उत्सव के दूसरे दिन मुख्य मंच पर 'कैसे फहर-फहर फहराई रे बिना ब्याह चुनरिया' गीत पर प्रतिभागियों ने समूह नृत्य किया। समूह नृत्य के माध्यम से होली के दौरान खेलें जाने वाले देवर-भाभी का फाग आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं दूसरे

**गुरु और शिष्य ने एक साथ प्रबंधन कमेटी को बांधी पगड़ी**  
महोत्सव के दूसरे दिन गुरु और शिष्य ने प्रबंधन कमेटी को एक साथ पगड़ी बांधी। प्रबंधन कमेटी को पगड़ी बांधने वालों में सतीश हरियाणवी ने बताया कि इस कॉलेज की प्रतिभागी पिछले पांच साल से पगड़ी प्रतियोगिता में उच्च स्थान हासिल कर रही है। कुछ ही सेकंड में कॉलेज की प्रतिभागी पगड़ी को बांध देती हैं।

**हरियाणवी कलाकार महाबीर गुड्डू ने किया लोटपोट**

मुख्य मंच पर हरियाणवी कलाकार महाबीर गुड्डू ने अपने चुटकुलों से दर्शकों को हंसा-हंसा कर लोटपोट कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने देशभक्ति गीत के माध्यम से सभी को भावविभोर कर दिया।



युवा महोत्सव में अपनी प्रस्तुति देती छात्राएं। संवाद



युवा महोत्सव में प्रस्तुति देते कलाकार।

टीमों ने होली महोत्सव को फूल होली के साथ खेलकर नृत्य प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. पूनम शर्मा, डॉ. अंजना सोहान, डॉ. नगनदीप, डॉ. शहत, डॉ. अनीता छावड़ा मौजूद रही।

## कुछ विधाओं के परिणाम भी किए घोषित

विधा	कॉलेज	स्थान
कन्यासिकल वोकल सोलो	यूटीडी, सीआरएसयू, जौद	प्रथम
कन्यासिकल इंस्ट्रुमेंटल सोलो	स्केआर किसान कॉलेज, जौद	प्रथम
लइट वोकल ड्रिडपन	हिंदू कन्या कॉलेज, जौद	प्रथम
गुप सांग, जनरल	एसडी महिला कॉलेज, नरवाना	प्रथम
फोक सांग, जनरल	हिंदू कन्या कॉलेज, जौद	प्रथम
फोक राग हरियाणवी, एकल	हिंदू कन्या कॉलेज, जौद	प्रथम
गुप सांग हरियाणवी	एसडी कन्या कॉलेज, नरवाना	प्रथम
हरियाणवी पोप सांग	एसडी कन्या कॉलेज, नरवाना	प्रथम
हरियाणवी गजल	यूटीडी, सीआरएसयू, जौद	प्रथम
कन्यासिकल ठांस	एसडी कन्या कॉलेज, नरवाना	प्रथम
सोलो ड्रांस हरियाणवी (मेल/फिमेंल)	एसडी कन्या कॉलेज, नरवाना	प्रथम
संस्कृत ड्रामा	एसडी कन्या कॉलेज, नरवाना	प्रथम
रिचुअल	एसडी कन्या कॉलेज, नरवाना	प्रथम



# एस.डी. महिला कॉलेज ने लगातार तीसरी बार जमाया ओवरऑल ट्राफी पर कब्जा



जमाया ओवरऑल स्पोर्ट्स मीट का शुभारंभ करी एस.डी. महिला कॉलेज की टीम द्वारा की गई।

कार्यक्रम में प्रधान सुरेश सिंघल व सी.आर.एम.यू. की डॉ.वाई.मो.ए. डॉ. ज्योती श्यामण को स्मृति चिह्न देकर सम्पन्नित करते हैं।

को प्रकटक स्थिति के प्रधान सुरेश सिंघल, उप प्रधान गजकुमार शोचन, सचिव विक्रम चोपड़ा, अतिरिक्त सदस्य मोहम्मद फरीक व शर्मा मिश्रा सहित अन्य सदस्यों ने स्मृति चिह्न व ट्रोफी भेंट कर सम्पन्नित किया गया।

बालराम शाहबाबू डा. पूसा शर्मा, अंबिका लोखन, डा. नयनदीप, डा. अनिता खन्ना, डा. रजनी, रेखा कोहली व अमन कुमार सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी बूट रहे।

इस अवसर पर सी.आर.एम.यू. की डॉ.वाई.मो.ए. डा. ज्योती श्यामण, कार्याध्यक्ष श्री चंपकलाल मुखर्जी, चोपड़ा, सचिव मंगेश सुंदर, अतिरिक्त सचिव मुकेश, उप प्रधान सुरेश सिंघल, संयोजक अंबिका मंडी के प्रधान शशीकान्त शर्मा, नगरपरिषद के पूर्व सचिव के.एस. मिश्रा व भारतभूषण शर्मा, जंग सिंह दुल्लाहा, अंबिका मंडी के पूर्व प्रधान सूरज आर्य, राजेश वैज, बालराज, जंगल मिश्रा, खुशबू शर्मा, प्रदीप गुप्ता, गजेंद्र शोचन, विशाल मंगल, वनेश शर्मा, अरुण शर्मा, हरकण सिंह, अंबिका शर्मा, मोहन, अग्रवाल, अपूर्व, राजेश, अमन



हरियाणा के कंगडू में भंडारक तैयार की गईं जायाएँ अपने प्रस्तुति के इंजकार में।

नगरपरिषद की चोवरमेंन स्मृति चोपड़ा व सुंदर चोपड़ा को स्मृति चिह्न देकर सम्पन्नित करते हैं।



महिलाओं में शानदार प्रस्तुति देती छात्राएँ।

अतिथियों के स्वागत के लिए परम्परागत ढोल-पगड़े बजाते कलाकार।

## प्रश्न - पत्र

Max. Marks = 20

1. हरियाणा के लोक नृत्यों का वर्णन कीजिए। 4x5=20
2. नृत्य की उत्पत्ति एवम विकास पर व्याख्या कीजिए।
3. लोक नृत्य में वेशभूषा की भूमिका ।
4. लूर एवम् गुगा नृत्य का वर्णन कीजिए।
5. लोक वाद्यों का महत्व क्या है।

6 (1) लोक शब्द का क्या अर्थ है?

10x1=10

(11) हरियाणा के लोक नृत्यों के नाम बताएं।

(111) कोई दो लोक वाद्यों का नाम बताएं।

(1 v) गुगा नृत्य किस माह में किया जाता है।

(V) धमाल नृत्य किसके द्वारा किया जाता है?

(V1) हरियाणा दो सुषिर वाद्य बताएं।

(VII) खोड़िया नृत्य किस अवसर पर किया जाता है?

(VIII) गुगा नृत्य कब किया जाता है ।

(1x) फसल के पकने पर किसानों द्वारा कौनसा नृत्य किया जाता है?

(x) तीज नृत्य के कोई 2 लोक गीत लिखें।



20  
30

# S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA, NARWANA

Roll No. 201811090002016 Class B.A III Sec. .... Subject सोफ्ट स्कॉल

Date 22/02/2021

Signature Ritu

- 1) आम जनता
- 2) धुगा नृत्य, खोडिया दाड़ा
- 3) नगरा, विन, वासुरी,
- 4) शादजा में
- 5) आवसियों का नृत्य
- 6) वासुरी, विन
- 7) लडकें के विवाह पर
- 8) धुगा नौरी पर
- 9) पमाल
- 10) कामका उवाचा रंग मरा, झूलन लागी रंग माँ मारा में



① हरियाणा में खेती के लिए न्यून धूम है। हरियाणा न्यून धूम का विकास नहीं हुआ है। यहाँ पर हरियाणा - उत्तर प्रदेश के विकास से न्यून किया जाता है। उत्तर प्रदेश इस प्रकार से किया गया।

हरियाणवी नृत्य :-

हमारे यहाँ हरियाणा में हरियाणवी नृत्य प्रमुख रूप से किया जाता है। इसका विकास उत्तर प्रदेश के विकास से न्यून किया जाता है। उत्तर प्रदेश इस प्रकार से किया गया।

गीता नृत्य

हमारे यहाँ गीता नृत्य उत्तर प्रदेश के विकास से न्यून किया जाता है। उत्तर प्रदेश इस प्रकार से किया गया।

खोडिया

खोडिया की एक प्रकार का नृत्य है, जिसका विकास उत्तर प्रदेश के विकास से न्यून किया जाता है। उत्तर प्रदेश इस प्रकार से किया गया।

नृत्य की उत्पत्ति और विकास

भारतीय समाज में नृत्य से ही- वाद्ययंत्र, वाद्ययंत्र और नृत्य की उत्पत्ति उत्तर प्रदेश से जाना जाता है। वाद्ययंत्र वाद्ययंत्र के विकास में उत्तर प्रदेश का विकास से न्यून किया जाता है। उत्तर प्रदेश इस प्रकार से किया गया।

भारतीय समाज में नृत्य की उत्पत्ति उत्तर प्रदेश से जाना जाता है। वाद्ययंत्र वाद्ययंत्र के विकास में उत्तर प्रदेश का विकास से न्यून किया जाता है। उत्तर प्रदेश इस प्रकार से किया गया।

वाद्ययंत्र उत्तर प्रदेश में वाद्ययंत्र उत्तर प्रदेश में उत्पन्न हुए हैं।

आश्रितकर्म इस अनुक्रम में आकर अथवा किसी एक ही वस्तु पर चरता है। लेकिन मानवीय माननाओं की संवेदनशील अनुभूति का अभाव माध्यम नृत्य को प्रेरित करता है। जिससे अपनी विशिष्ट हस्त किर्तियों, स्वाभाविक शक्त पर अचल प्रसार इतना ही होता है और शक्ति को प्रदर्शित करता है।

लोक नृत्य में प्रथा का वर्णन इस प्रकार है, लोक नृत्य का अर्थ है - लोक में किया जाने वाला नृत्य। अर्थात् - प्रथा का अर्थ है - लोक में किया जाने वाला नृत्य। अर्थात् - प्रथा का अर्थ है - लोक में किया जाने वाला नृत्य।

दक्षिण भारतीय लोक नृत्य :- दक्षिण भारतीय लोक नृत्य को रामानुज नृत्य भी कहा जाता है। इसमें नृत्य का अर्थ है - लोक में किया जाने वाला नृत्य। अर्थात् - प्रथा का अर्थ है - लोक में किया जाने वाला नृत्य।

गीता नृत्य :- यह गीता नृत्य है कि जिस भावना में समाया जाता है, इस दिन इसे एक लोक नृत्य माना जाता है। इसी - नृत्य - नाम से जाना जाता है। इसमें लोग गीत गाते हैं।

इस प्रकार चलते हैं। इसी में सुख-दुःख चलते हैं। इसी गीता नृत्य चलते हैं।

पत्तरी नृत्य :- यह भी एक प्रकार का नृत्य है जो अपने अर्थ में नृत्य करता है। जैसे कि पत्तरी नृत्य का अर्थ है, इसमें नृत्य बहुत ही सरल है। सरल का अर्थ है, इसमें नृत्य बहुत ही सरल है। सरल का अर्थ है, इसमें नृत्य बहुत ही सरल है। सरल का अर्थ है, इसमें नृत्य बहुत ही सरल है।

संक्षिप्त :- यह भी एक प्रकार का नृत्य है जो अपने अर्थ में नृत्य करता है। जैसे कि संक्षिप्त नृत्य का अर्थ है, इसमें नृत्य बहुत ही सरल है। सरल का अर्थ है, इसमें नृत्य बहुत ही सरल है। सरल का अर्थ है, इसमें नृत्य बहुत ही सरल है।

राजस्थानी नृत्य :- यह भी एक प्रकार का नृत्य है, इसमें लोक राजस्थानी नृत्य चलते हैं। इसका अर्थ है, इसमें नृत्य बहुत ही सरल है। सरल का अर्थ है, इसमें नृत्य बहुत ही सरल है। सरल का अर्थ है, इसमें नृत्य बहुत ही सरल है।

जैसे वह राजस्थानी संगीत पर काम डाली है इसे  
राजस्थानी लोक चरम की केश श्रुति कहा जाता है

उस व गीत नृत्य का वर्णन इस प्रकार से है

उपर) इस स्वर नृत्य है जिस लोका के इस धाम से  
मनाते हैं। इस नृत्य में कसब जाना जाता है यह  
वैदिक से मनाया जाता है जिस पर चरम चलते है

गीत नृत्य : गीत नृत्य आद्य में नवमी के दिन कड़े  
धूम - धूम से मनाया जाता है लोग गीत नृत्य के दिन  
गीत पर मधराय की केश श्रुति उवाते है यह काम की  
होता है जैसे गीत व जी के गीत गाते है  
इस कथा है जो पर नृत्य करते है मीले  
रंग के लोका डालते है जैसे कसब आद्य चलते  
इस नृत्य चलते है। गीत पर मधराय के गीत  
गाते जाते है। लोडिप भी यह चरम कर आता है  
जैसे है धूम - धूम कर नृत्य करते है गीतों के  
दिन लोग खुशी - खुशी मीत गाते है गीतों का  
कडी उवा कर नृत्य करते है यह बहुत  
प्रचलित है इसे गीत नृत्य कहते है

लोक वाद्य या मधराय इस प्रकार है लोक यत जो  
संगीत में बहुत मधराय माना जाता है लोक वाद्य  
के बिना लोक नृत्य का कोई मधराय नहीं है  
जैसे लोक नृत्य के दिन लोक संगीत की अहमता  
नहीं की जा सकती है लोक वाद्य के बिना  
संगीत का अहमता और फिदा लगाता है इसके बिना  
किसी का संगीत को खराब नहीं किया जा सकता  
है इसलिए संगीत की अहमता में लोक वाद्य का  
बहुत बहुत मधराय माना जाय है। यह संगीत  
के लिए बहुत जरूरी है लोक वाद्य यतो में  
संगीत इनके बिना नहीं बजाया जा सकता  
जा सकता है वाद्य यतो के बिना संगीत अहमता  
माना गया है इसलिए संगीत में यह बहुत  
जरूरी है और संगीत में बहुत सारे सुख - अहमता  
प्रकार के वाद्य यत है। जैसे धारमोचिक, डोल  
नवमा डोलन वगैरे वाद्य यत विख्यात है।  
इसके वर प्रकार के वाद्य यत है इनके  
बिना संगीत की अहमता अहमता माननी जाती  
है इसके माध्य से संगीत बनता है



Certificate Course... <u>C.I.T. - I</u> ..... <u>M.M. 30</u>			
Session <u>2020-21</u> ..... Result			
Sr.No.	Student Name	College Roll No.	Marks
1	Ritu	2018160900002016	20
2	Pooja	2018160900002472	21
3	Anju	2018160900002821	15
4	Manisha	2018160900002850	16
5	Madhu	2018160900002428	13
6	Anu	2018160900002491	24
7	Swati	2018160900002800	21
8	Mohika	2018160900002516	23
9	Sheha	2018160900002414	20
10	Manasi	2018160900002866	10
11	Kamini	2018160900002496	07
12	Pooja	2018160900002828	13
13	Sanyana	2018160900002439	15
14	Manisha	2018160900002880	18
15	Jyoti	2018160900002468	09
16	Sushila	2018160900002844	11
17	Nisha	2018160900002446	13
18	Sonali	2018160900002172	17
19	Pooja	2018160900002872	10
20	Anju	2019160900006451	19
21	Muskan	2019160900006457	21
22	Nisha	2019160900006561	24
23	Priyanka	2019160900006463	23
24	Nitika	2019160900009846	17
25	Laxisha	2019160900006527	10
26	manisha	2018160900002880	07
27			
28			
29			
30			
31			
32			
33			
34			
35			
36			
37			
38			
39			
40			
41			
42			
43			
44			
45			
46			
47			
48			
49			
50			
51			
52			

Total students = 26

Present = 26

Absent = 0

रिपोर्ट

सनातन धर्म महाविद्यालय में 20-01-2020 को लोक  
रूप पर 30 बच्चों का सर्टिफिकेट कोर्स करवाया  
गया। जिसमें महाविद्यालय की 26 छात्रों ने भाग  
लिया। महाविद्यालय में समय-समय पर प्राचार्य  
ज. पुनाम शर्मा ने बच्चों को प्रेरित किया। यह  
कोर्स संगीत विभाग के हवमला जलबीर के नेतृत्व  
में शुरू किया गया। बच्चों को कोर्स रूप सिखाया  
गया। छात्रों की 30 बच्चों की परीक्षा ली और सर्टिफिकेट  
वितरित किए गए। सुपर प्रोविडेंट में बच्चों को प्रशंसित  
मंडल मिली।



कुल प्रतिभागी छात्राएं = 26

पाठ्य = 26

Session - 2020-2021

# S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA

NARWANA (JIND)

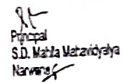
(AFFILIATED TO CH. RANBIR SINGH UNIVERSITY, JIND)

## Certificate of Participation

This is to certify that Miss **MANISHA** of Class **B.A. II** participated in लोक नृत्य  
(Session 2020-21) Course for a duration of 30 hours organized in College Campus by Music  
Department.



Convener



Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalaya  
Narwana

Principal



# S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA

NARWANA (JIND)

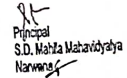
(AFFILIATED TO CH. RANBIR SINGH UNIVERSITY, JIND)

## Certificate of Participation

This is to certify that Miss **POOJA** of **Class B.A. III** Participated in **लोक नृत्य (Session 2020-21)** Course for a duration of 30 hours organized in College Campus by Music Department.



Convener



Principal  
S.D. Mahila Mahavidyalaya  
Narwana

Principal